दिनांक 22.02.2023

पुनः संशोधित पाठ्यक्रम
Re-Reviews Syllabus

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व
Ancient India History, Culture and Archaeology

बी.ए. प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय वर्ष
B.A. Part I , II & III Year

22/2/2023
(डॉ. ए.के.परसाई)
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मंडल

22.2.23
(डॉ. अखिलेश पाण्डेय)
सदस्य

(डॉ. मोना जैन)
सदस्य

22/2/23
(डॉ. मंगलानंद झा)

सदस्य

बैठक का कार्य विवरण

दिनांक 22.02.2023 को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विषय केन्द्रीय अध्ययन मंडल का बैठक सम्पन्न हुआ।

बैठक में निम्नानुसार सदस्य उपस्थित थे–

1. डॉ. ए.के.परसाई, अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मंडल एवं विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग, शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर
2. डॉ. अखिलेश पाण्डेय, प्राचीन भारतीय इतिहास, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर
3. डॉ. मंगला नंद झा, भारतीय इतिहास, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
4. डॉ. मोना जैन, प्राचीन भारतीय इतिहास, शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर

विवरण, बैठक में सर्व सम्मति से राज्य शासन द्वारा प्रेषित त्रिवर्षीय एवं चतुर्थ वर्षीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम का पुनः संशोधन किया गया तथा पाठ्यक्रमों की हार्ड एवं साफ्टकापी में प्रेषित किया जा रहा है।

A.K. Parsai

(डॉ. ए.के.परसाई)
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मंडल

22.2.23

(डॉ. अखिलेश पाण्डेय)
सदस्य

(डॉ. मोना जैन)
सदस्य

22/2/23

(डॉ. मंगलानंद झा)

सदस्य

CENTRAL BOARD OF STUDY

ANCIENT INDIA HISTORY, CULTURE AND ARCHAEOLOGY

New Curruculum

(Re-Revised)

FOUR YEAR PROGRAMME BACHELOR OF ARTS

Year	Course Code	Course Title	Awards
B.A.	AIH-101 Mojar Core Course	History of Archaeology (5 Units)	Under Graduate certificate in Faculty + certificate
	AIH-102 Mojar Core Course	History of India (Starting to 2nd Century B.C.) (5 Units)	
B.A. II	AIH-103 Mojar Core Course	Political History of India (From 319 A.D. to 1300 A.D.) (5 Units)	Under Graduate Diploma in Faculty + Certificate
	AIH-104 Mojar Core Course	Ancient Indian Society and Religion (5 Units)	
B.A. III	AIH-105 Mojar Core Course	Elements of Ancient Indian Architecture & Art (5 Units)	Under Graduate Degree Bachelor in Faculty + Certificate
	AIH-106 Mojar Core Course	Elements of Paleography & Numismatics (5 Units)	
	Practical Viva-voce/Tour Report		

Note:Hindi and English Language were Foundation Course and it is Compulsory.

संशोधित पाठ्यक्रम

Re-Reviews Syllabus

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

Ancient India History, Culture and Archaeology

		कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष Class : B.A. First Year
1	कोर्स कोड	AIH-101
2	कोर्स शीर्षक Course Title	पुरातत्व का इतिहास History of Archaeology
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – प्रथम पेपर Theory Paper First
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र इस स्थिति में होगा कि– 1 प्राचीन भारतीय प्रागैतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थिति को समझ सके 2 मानव विकास के काल कम की जानकारी होगी 3 विषय से संबंधित विभिन्न अध्ययन पद्धतियों से परिचित होगा **Learning Outcome** (Subject Outcome): After studying this subject/paper the student will be able to:- 1. Understand the Pre-historic and archaeological status of ancient India. 2. Understand the phases of human development. 3. Become familiar with various methods of studying the subject.
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 75 Maximum marks 75

22/2/23

भाग ब पाठ्यक्रम का प्रारूप

ईकाई	विषय वस्तु
1	(1) मानव का उदभव एव विकास Origin and Development of man (2) प्रागैतिहासिक सस्कृतियाँ, पुरा पाषाण काल, मध्य पाषाण काल एव नव पाषाण काल Pre-Historic Culture, Palaeolithic, Mesolithic and Neo-lithic (3) ताम्र पाषाणिक सस्कृतियाँ, (कायथा, आहाड़ मालवा एव जोर्वे, Chalcolithic Cultures (Kayatha, Ahar, Malva and Jorvey)
2	(1) सिन्धु– सरस्वती सम्यता के विभिन्न पक्ष Different sides of Indus-Saraswati Civilization (2) हड़प्पा, मोहनजोदडो, धौलावीरा Harappa, Mohanjodaro, Dhaulavira (3) कालीबंगा, लोथल और राखीगढी Kalibanga, Lothal and Rakhigarhi
3	1) पुरातात्विक सर्वेक्षण का उद्देश्य एवं विधियॉं Aims and Methods of Archaeological Exploration (2) उत्खनन का उद्देश्य एवं विधियॉं Methods and aims of Excavation
4	(1) तिथि निर्धारण की विधियॉं Dating Methods सापेक्ष एवं निरपेक्ष Relative and absolute
5	(1) उत्खनित सामग्रियों का अभिलेखीकरण Recoding of Excavated Antiquities (2) पुरातत्व के अधिनियम Acts related to Archaeology

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

1.	के.डी. बाजपेयी	– मध्यप्रदेश का पुरातत्व
2.	आर.एम. व्हीलर	– पृथ्वी से पुरातत्व
3.	बी.एन.पुरी	– पुरातत्व विज्ञान
4.	जयनारायण पाण्डेय	– पुरातत्व विमर्श
5.	राकेश प्रकाश पाण्डेय	– पुरातत्व विज्ञान
6.	मदन मोहन सिंह	– पुरातत्व की रूपरेखा
7.	शिवस्वारूप सहाय	– प्रागैतिहासिक भारत
8.	ए.के.घोष	– इनसाइक्लोपिडिया इण्डियन आर्कियोलॉजी
9.	Pandey,J.N.	—Puratatva vimarsha
10.	Sakalya, H.D.	—Indian Archeaology Today.
11.	Sakalya, H.D	—Prehistory and Protohistory of India and Pakistan.1974
12.	Sakalya, H.D	—Prehistory of India 1977.
13.	Subbarao,B.	—The Prehistory of India.
14.	Kenyan, K.M.	—Field Archaeology

संशोधित पाठ्यक्रम

Re-Reviews Syllabus

विषय प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

Ancient India History, Culture and Archaeology

कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष

Class : B.A. First Year

1	कोर्स कोड	AIH-102
2	कोर्स शीर्षक Course Title	भारत का प्रारंभिक इतिहास (प्रारम्भ से द्वितीय शताब्दी ई.पू. तक) History of India (Starting to 2nd Century B.C.)
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – द्वितीय पेपर Theory Paper second
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धिया CLO	After studying this subject/paper the student will be able to:- 1. Understand about various sources of Ancient Indian History. 2. Understand various chronological periods of Ancient Indian History. 3. Become familiar with various aspects of Political and Cultural history of those periods. इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र–छात्रायें इस स्थिति में होगें– 1. प्राचीन भारतीय इतिहास के विभिन्न स्त्रोतों के बारे में जान सकगें। 2. प्राचीन भारतीय इतिहास के विभिन्न कालखण्डों की जानकारी हो। 3. राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास के विभिन्न पहलुओं से परिचित होगा।
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 75 Maximum marks 75

22/2/23

भाग ब पाठ्यक्रम का प्रारूप

इकाई	विषय वस्तु
1	(1) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत Sources of Ancient Indian History (2) साहित्यिक – ब्राह्मण, जैन एवं बौद्ध, विदेशी यात्रियों के साहित्य Literary Sources (Brahaman, Jain ,Bauddh , and Accounts of Foreign Travellers (3) पुरातात्विक साक्ष्य, प्रस्तर उपकरण, अभिलेख, मुद्रा, स्थापत्य एवं मूर्ति Archaeological Sources, Stone Tools, Inscriptions, Coins, Architecture and Sculptures
2	(1) वैदिक युग Vedic age (2) महाजनपद युग Mahajanpadas
3	(1) मगध साम्राज्य का उत्कर्ष Flourishing of Magadh Empire (2) चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक के उपलब्धियाँ **Achievements of Chandragupta Maurya and Ashoka** (3) मौर्य साम्राज्य का पतन Decline of Mauryan Empire
4	(1) हिन्द–यूनानी Indo-Greeks (2) शुंग Sunga (3) सातवाहन Satvanhana (4) शक–क्षत्रप, पार्थियन Shaka-kshatrap, Parthiyan
5	(1) खारवेल Kharvela (2) संगम युग Sangam Age (3) गणराज्य (मालव,यौधेय, अर्जुनायन तथा औदुम्बर) Republic State (Malav, Yavdhey, Arjunayan and Audumber)

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

1. उदयनारायण राय – गुप्त राजवंश तथा उसका इतिहास (नया संस्करण) 1988
2. श्री राम गोयल – भारत का राजनैतिक इतिहास भाग 2 एवं 3
3. श्री राम गोयल – गुप्त साम्राज्य का इतिहास
4. Ashvini Agrawal - Rise and Fall of the imperial Gupta
5. विशुद्धानंद पाठक – उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास
6. अवध बिहारी लाल अवस्थी – राजपूत राजवंश
7. डॉ.डी.गांगुली – परमार राजवंश
8. भगवती प्रसाद पांथरी – मौखरी और पुष्यभूति राजवंश
9. डॉ.के.ए.नीलकंठ शास्त्री – दक्षिण भारत का इतिहास
10. डॉ.देवनाथ शर्मा – हर्षवर्धन
11. R.C. Majumdar & A.D. Pusalkar (Ed.) - The Classicale Age "The age of Imperial Unity" The Strangle for Empire
12. Majumdar, Roy Choudhary - An Advanced History of India Vol. I

22/2/23

संशोधित पाठ्यक्रम

Reviews Syllabus

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

Ancient India History, Culture and Archaeology

		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष Class : B.A. Second Year
1	कोर्स कोड	AIH-103
2	कोर्स शीर्षक Course Title	भारत का राजनीतिक इतिहास (319 ई.से 1300 ई. सन् तक) Political History of India (From 319 A.D. to 1300 A.D.)
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – प्रथम पेपर Theory Paper First
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	After studying this subject/paper the student will:- Learn about various periods of political history of ancient India form the Golden age to Rajput period. Learn about the Cultural and Administrative trends of various phases of time इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र छात्रायें इस स्थिति में होगें कि 1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्वर्णिम युग से राजपूत काल तक के विभिन्न कालखण्डों से परिचित होगे। प्राचीन भारत के विभिन्न चरणों के सांस्कृतिक तथा प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जाने पाएंग।
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 75 Maximum marks 75

22/2/23

भाग ब : पाठ्यक्रम का प्रारूप

ईकाई	विषय वस्तु
1	(1) गुप्तों की उत्पत्ति एवं प्रारंभिक इतिहास (Rise of Guptas and their early History) (2) चन्द्रगुप्त प्रथम, रामगुप्त, समुद्रगुप्त (Chandragupta – I, Ramagupta, Samudragupta) (3) कुमारगुप्त प्रथम, स्कन्दगुप्त (Kumargupta – I, Skandgupta) (4) वाकाटक राजवंश, गुप्त–वाकाटक सम्बन्ध (Vakataka Dynasty, Gupta Vakataka relation)
2	1) परवर्ती गुप्त राजवंश (Later Gupta Rulers) (2) मौखरी (Maukharis) (3) वर्धन राजवंश और हर्ष का प्रशासन (Vardhana Dynasty and Administration of Harsha)
3	(1) बादामी के चालुक्य (Chalukyas of Badami) (2) कांची के पल्लव (Pallavas of Kanchi) (3) चोल तथा उनका प्रशासन (Cholas and their administration)
4	(1) गुर्जर प्रतिहार (Gurjara Pratihara) (2) राष्ट्रकूट (Rashtrakutas) (3) पाल (Palas) (4) गाहड़वाल (Gahadwalas)
5	(1) नल वंश (Nala dynasty) (2) शरभपुरीय वंश (Sharabhpuriya dynasty) (3) पाण्डु वंश (कोसल तथा मेकल) Pandu dynasty (Kosal and Mekal) (4) रतनपुर के कलचुरि (Kalachuri of Ratanpur)

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

Ray, H. C. –Dynastic History of North India. Vol.-2

Chaudhry, H.C. R. –Political History of Ancient India

Pandey ,V.C.—Pracin bharat ka Itihaas.
Gopalachari,R.S.—History of Pallavas of Kanchi.
Goyal, Shriram,--Gupta kaaleen bharat.
Upadhyaya vasudev-- Gupta Rajvans ka itihaas.

संशोधित पाठ्यक्रम Reviews Syllabus				
विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व Ancient India History, Culture and Archaeology				
		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष Class : B.A. Second Year		
1	कोर्स कोड	AIH-104		
2	कोर्स शीर्षक Course Title	प्राचीन भारतीय समाज एवं धर्म Ancient Indian Society and Religion		
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – द्वितीय पेपर Theory Paper Second		
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	**Learning Outcome** (Subject Outcome): After studying this subject/paper the student will:- Learn about various facts of society and its structure, milestones in ancient Indian religious life and education. Learn about the fundamental concepts of religious faiths in Ancient India like Vedic, Jainism and Buddhism. इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र छात्रा इस स्थिति में होंगे कि : प्राचीन भारतीय इतिहास के समाज तथा सामाजिक संरचना, सामाजिक-धार्मिक जीवन तथा शिक्षा व्यवस्था के बारे में जान पाएंगे प्राचीन भारत के विभिन्न धार्मिक आस्था जैसे वैदिक, जैन तथा बौद्ध धर्म की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित होंगे।		
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 75 Maximum marks 75		

22/2/23

भाग ब : पाठ्यक्रम का प्रारूप

ईकाई	विषय वस्तु
1	(1) वर्ण व्यवस्था Ahromaticity (2) आश्रम व्यवस्था Ashram system (3) पुरूषार्थ चतुष्टय Pursharth Chatushtay (4) संस्कार Sanskara
2	(1) परिवार की उत्पत्ति व महत्व Origin and importance of family (2) विवाह तथा उसके प्रकार Marriage and its types (3) नारियों की स्थिति Position of Women
3	(1) शिक्षा : उद्देश्य तथा प्रमुख शिक्षा केन्द्र, तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला Education: Purpose and Major Education Center, Taxila, Nalanda, Vikramshila
4	(1) वैदिक, शैव, वैष्णव व शाक्त Vedic, Shaiv ,Vishanav and Shakt
5	(1) जैन धर्म Jain Dharma (2) बौद्ध धर्म Bauddh Dharma

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

Books Recommended:-

1. Altekar, A. S. –Education in Ancient India, Position of Women in Ancient India.
2. Kane, P.V. –History of Dharmashastra. Vol-2,3
3. Majumdar ,R.C.—Corporate Life of Ancient India.
4. Sarkar, D.C.—Study in the social and Economic History. Prabhu
5. P.N.—Hindu Social organization
6. Pandey R.V.—Hindu Sanskar.
7. Parhar, Dinesh Nandini—Chhattisgarh ka samajik arthik Itihaas.
8. डॉ. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय – बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास
9. आर.सी. भण्डारकर – वैष्णव शैव एवं अन्य धार्मिक मत भागवत सम्प्रदाय
10. यदुवंशी – शैवमत
11. सुस्मिता पाण्डेय – समाज आर्थिक व्यवस्था एवं धर्म
12. बलदेव उपाध्याय – भारतीय दर्शन
13. डॉ. उमेश मिश्रा – भारतीय दर्शन

22/2/23

संशोधित पाठ्यक्रम
Reviews Syllabus

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

Ancient India History, Culture and Archaeology

		कक्षा : बी.ए. तृतीय वर्ष Class : B.A. Third Year
1	कोर्स कोड	AIH-105
2	कोर्स शीर्षक Course Title	भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व Elements of Ancient Indian Architecture and Art
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – प्रथम पेपर Theory Paper First
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	**Learning Outcome** (Subject Outcome): After studying this subject/paper the student will be able to:- 1. Learn and develop skill to identify various styles of architecture prevalent in ancient India. 2. Understand about stylistic development of sculptures of ancient India. 3. Learn about chronological development of Art and Architecture in ancient India. 4. Become familiar with various aspects paintings in ancient India. इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र छात्रा इस स्थिति में होंगे कि : 1. प्राचीन भारत में प्रचलित स्थापत्य की विभिन्न शैलियों के बारे में जान सके। 2. प्राचीन भारत में मूर्तिकला की शैलीगत विकास की जानकारी हो। 3. प्राचीन भारत की कला एवं स्थापत्य के क्रमिक विकास को समझ सकेंगे। 4. प्राचीन भारत की चित्रकला के विभिन्न पहलुओं से परिचित होगा।
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 50 Maximum marks 50

22/2/23

भाग ब : पाठ्यक्रम का प्रारूप

ईकाई	विषय वस्तु
1	हड़प्पा कालीन वास्तु, मौर्य कालीन वास्तु, स्तूप वास्तु (सांची, तथा अमरावती), पश्चिमी भारत के चैत्यगृह तथा विहार– भाजा, अजंता और एलोरा। (Architecture of Harappan period, Mauryan period; Stupa Architecture (Sanchi, and Amravati), Chaityas and Viharas of Western India (Bhaja, Ajanta and Ellora)
2	मंदिर वास्तु के उद्भव एवं विकास, मंदिर वास्तु के विभिन्न शैली–नागर, बेसर, द्रविड़। (Origin and development of Temple Architecture, Various Styles of Temple Architecture – Nagara, Vessara & Dravida)
3	मूर्तिकला–हड़प्पा कालीन, मौर्यकालीन, शुंगकालीन, कुषाण कालीन (गांधार एवं मथुरा)। (Iconography – Harappa period, Mauryan period, Shunga period, Kushana period (Gandhara & Mathura)
4	प्राचीन भारत में मूर्ति पूजा उद्भव एवं विकास एवं विष्णु, शिव, बौद्ध एवं जैन प्रतिमा के विशेष संदर्भ में। (Origin and development of idol worship in Ancient India, with special reference to Vishnu, Shiva, Jaina & Buddhist sculptures)
5	प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिंघनपुर की चित्रकला एवं अंजता और बाघ की चित्रकला। (Pre-historic paintings, Painting of Singhanpur and Ajanta & Bagh Paintings)

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

1. Agrawal, V. S. – Indian Art
2. Ray, Nihar Ranjan —Maurayn and Sunga art.Kumar swami
3. A.K. – Earlt Indian Iconography
4. Banergee,J N -Development of Hindu Iconography.
5. Singh, A K - Bhartiya Vastukala tatha Kala ke mool tatwa
6. Ray, Udaya Narayan—Bhartiya Kala.
7. Kumarswami, A.K. – Early Indian Iconography. Kumarswami,
8. A.K — Origin of Buddha image.
9. Brown, Percy —Indian Architecture Buddist and hindu.
10. Srinivasan K.R. —Temples of South India. Dharamrajarath & its Sculputures.
11. Deheja V. –Early Buddist Rock Temples.

22/2/23

संशोधित पाठ्यक्रम

Reviews Syllabus

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

Ancient India History, Culture and Archaeology

कक्षा : बी.ए. तृतीय वर्ष

Class : B.A. Third Year

1	कोर्स कोड	AIH-106
2	कोर्स शीर्षक Course Title	पुराभिलेख एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व Elements of Palaeography and Numismatics
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – द्वितीय पेपर Theory Paper Second
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	After studying this subject/paper the student will be able to:- 1. Learn about the antiquity of art of writing in ancient India. 2. Become familiar with various scripts and languages of ancient India. 3. Learn the significance of Inscriptions and coins as sources of Ancient Indian history. इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र छात्रा इस स्थिति में होंगे कि : 1. भारत में लेखन कला की प्राचीनता के बारे में जान सके। 2. प्राचीन भारत में प्रचलित विभिन्न लिपियों तथा भाषा की की जानकारी हो । 3. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेखों तथा सिक्कों के महत्व को समझ सकेंगे ।
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 50 Maximum marks 50

भाग ब : पाठ्यक्रम का प्रारूप

ईकाई	विषय वस्तु
1	(1) प्राचीन भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व। (Significance of Epigraphy for writing Ancient Indian History) (2) लेखन कला का उद्भव एवं विकास। (Origin and development of writing skill) (3) अभिलेखों में प्रयुक्त भाषायें, लिपियॉ तथा लेखन सामग्री। (Languages, Scripts and Writing materials used in Inscriptions)
2	निम्नलिखित अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व : (Historical significance of the following Inscription) (1) अशोक का बारहवां शिलालेख। (12th rock edict of Ashoka) (2) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख। (Nasik Inscription of Gautamiputra Satkarni) (3) खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख। (Hanthigumpha Inscription of Kharvela) (4) रूद्रदामन का जूनागढ़ (Junagarh Inscription of Rudradaman)
3	(1) समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख। (Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta) (2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख। (Aihole Inscription of Pulakeshin – II) (3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख। (Banskhera Inscription of Harsha) (4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख। (Lakshman temple Inscription of Queen Vasta) (5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख। (Ratanpur Inscription of Jajalladeva)
4	इतिहास की पुर्नरचान में मुद्रा का महत्व, मुद्रा का उद्भव एवं प्राचीनता, मुद्रा तकनीक। (Significance of Numismatics for writing Ancient Indian History, Origin and antiquity of Coins, Minting Techniques of Coins)
5	आहत सिक्के, कुषाण कालीन सिक्के, गुप्तकालीन मुद्रायें, समुद्रगुप्त चन्द्रगुप्त द्वितीय,एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्राये स्थानीय मुद्रायें शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश। (Punch-Marked Coins, Gupta coins, Gold, Silver and Copper coins of Samudragupta, Chandragupta-II and Kumaragupta; Regional coins: Sharabhpuriya, Nala, Kalachuri)

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

1. Ojha, G H.—Prachin bharti Lipi maala.
2. Rajbali pandey— Indian Paleography.
3. Hultzsch, E. --- Cospus inscription Indicarum. Vol-1
4. Upadhayay Vasudev—Prachin Bhartiya Abhileekh Ka Adhyan.
5. Vajpayee K.D. –EtihassikBhartiya abhilekh.
6. Parhar, Dinesh Nandini—Madhya Bhart ka Leekhan evam utkirnan Takneek ka udbhv evam vikas.
7. Cunningham, A— Coins Of Ancient India.
8. Altekar, A.S. -- Ancient Indin Coins. Catlogs of Indian coins.
9. Gupta ,P.L.— Mudrayen
10. Chakravarty, S.K. -Ancient Indian Numismatics
11. Narayan , A.K.—The Indo Greek coins.
12. Sarkar, D.C.—Study of the Indian Coins.

बी.ए. तृतीय वर्ष

B.A. Part III
(Part B)

प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा

पूर्णांक – 50

1. किसी महत्वपूर्ण पुरातात्विक/ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण एवं विवरण प्रस्तुति – 20 अंक
2. पुरावस्तुओं की पहचान, – 20 अंक
   (प्रस्तर उपकरण, मृदभाण्ड़, अभिलेख, मुद्रा, प्रतिमा, स्थापत्य)
3. मौखिकी – 10 अंक

योग – 50 अंक